सिकल सेल औषधियां विशेष पिछड़ी जनजातीय क्षेत्रों की मोबाइल मेडिकल यूनिट में उपलब्ध हो: राज्यपाल

राज्यपाल द्वारा वन एवं जनजातीय कार्य विभाग की योजनाओं की समीक्षा

पीपुल्स प्रवक्ता, भोपाल।

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा है कि पीएम जनमन योजना अंतर्गत दूरस्थ अंचलों के लिए संचालित मोबाइल मेडिकल यूनिट को सराहनीय पहल बताया है। उन्होंने बैगा, भारिया और सहरिया जनजातीय अंचलों में संचालित मोबाइल मेडिकल यूनिट में सिकल सेल एनीमिया रोग की दवाईयों सहित आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के लिए कहा है।

राज्यपाल श्री पटेल वन एवं जनजातीय कार्य विभाग की योजनाओं की समीक्षा कर रहे थे। समीक्षा बैठक का आयोजन जनजातीय प्रकोष्ठ के तत्वावधान में जवाहर खण्ड राजभवन में किया गया था। राज्यपाल श्री पटेल ने वन अधिकार अधिनियम 2006 क्रियान्वयन कार्य की समीक्षा की। सामुदायिक और व्यक्तिगत वन अधिकारों, वन संसाधन संरक्षण, वन ग्राम के राजस्व ग्रामों में संपरिवर्तन के कार्य की प्रगति से भी अवगत हुए। उनके समक्ष जनजातीय कार्य विभाग अंतर्गत प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महा अभियान योजना अंतर्गत किए जाने वाले कार्यों की जानकारी प्रस्तुत की गई। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि पीएम जनमन आवास योजना अंतर्गत बनने वाले मकानों की डिजाइनिंग, आकार के प्रारूप के संबंध में राज्य स्तर से मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाना चाहिए। कार्य की गुणवत्ता को सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों के द्वारा निर्माण कार्य का क्षेत्र निरीक्षण भी किया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि योजना के हितग्राही को आवास की डिजाइनिंग और आकार में परिवार की जरूरतों, प्रकाश और हवा के समुचित प्रबंध करने के लिए आवश्यक सहयोग दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अभियान अवधि के अंतर्गत निर्धारित लक्ष्यों की समय सीमा में पूर्ति भी सुनिश्चित की जाए। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि जनजातीय प्रकोष्ठ द्वारा त्रैमासिक आधार पर विभागीय समीक्षा बैठकें आयोजित की जाए। बैठक में संबंधित विभाग द्वारा विगत तीन माह की अवधि में विभागीय योजनाओं, कार्यों की प्रगति की संकलित जानकारी प्रस्तुत की जाए।

बैठक में अपर मुख्य सचिव वन श्री अशोक बर्णवाल, राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव श्री के.सी. गुप्ता, प्रमुख सचिव जनजातीय कार्य श्री गुलशन बामरा, उपसचिव श्रीमती वंदना वैद्य, प्रधान मुख्य वन संरक्षक श्री वी.एन. अंबाडे, प्रबंध संचालक राज्य लघु वनोपज सहकारी संघ श्री विभाष ठाकुर, सचिव वन श्री अतुल मिश्रा एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

जन प्रतिनिधियों की उपस्थिति में जन भागीदारी से हो रहे है कार्य

प्रदेश में जल संरचनाओं के संरक्षण और सफाई के कार्य निरंतर जारी

पीपुल्स प्रवक्ता, भोपाल।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर प्रदेश में 30 मार्च से निरंतर जल संरचानाओं के संरक्षण और सफाई के कार्य निरंतर जारी है। इन कार्यों में समाज के प्रत्येक वर्ग का सहयोग मिल रहा है। अभियान के दौरान उन स्थानों को चिन्हित किया गया है, जिन्हें सफाई और गहरीकरण के बाद पर्यटन के रूप में विकसित किया जाना है।

ग्वालियर में पृथ्वी तालाब को पर्यटन के रूप में किया जायेगा विकसित

जल गंगा संवर्धन अभियान में ग्वालियर के पृथ्वी तालाब को पर्यटन के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया गया। तालाब के सौंदर्यीकरण की शुरूआत क्षेत्रीय सांसद श्री भारत सिंह कुशवाह और महापौर डॉ. शोभा सिकरवार की उपस्थिति में भूमि-पूजन से हुई। सांसद श्री कुशवाह ने बताया कि पृथ्वी तालाब के लिये अमृत योजना में 3 करोड़ रूपये की राशि प्राप्त हुई है। महापौर डॉ. शोभा सिकरवार ने जानकारी दी कि तालाब के चारों और सघन वृक्षारोपण किया जायेगा। इससे तालाब का जल स्तर बढ़ेगा।

टीकमगढ़ में चंदेल कालीन तालाब करमारई में हुआ सामुहिक श्रमदान

टीकमगढ़ जिले में ग्राम पंचायत करमारई में जल गंगा संवर्धन अभियान में चंदेल कालीन प्राचीन तालाब की साफ-सफाई का कार्य सामुहिक श्रमदान से किया गया। इस मौके पर मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद की नवांकुर संस्था सुदर्शन फाउंडेशन के कार्यकर्ताओं ने जनसामान्य को दिन-प्रतिदिन भू-जल के गिरते स्तर पर जनता को अगाह किया। जन सामान्य को जल संरक्षण के कार्यों में सक्रिय रूप से भागीदारी करने की शपथ दी लाई गई। टीकमगढ़ जिले में जिला प्रशासन द्वारा महेन्द्र सागर तालाब स्थित अतिक्रमणकारियों के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए 8.50 एकड भूमि पर से अतिक्रमण हटाया गया।

सिंगरौली के चितरंगी की कन्या शाला में हुई भाषण प्रतियोगिता

सिंगरौली जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान में जल स्त्रोतों की सफाई के साथ जन-जागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है। चितरंगी शासकीय कन्या विद्यालय में जल के महत्व पर भाषण प्रतियोगिता हुई। छात्राओं ने जलवायु परिवर्तन को देखते हुए अपने विचार रखे। छात्राओं ने कहा कि जल संरक्षण को जन-आंदोलन का रूप देना होगा। धार जिले में नगर के रामतलाई तालाब की साफ-सफाई का कार्य किया गया। इस कार्य में जिला आयुष कार्यालय से जुड़े अधिकारी और कर्मचारियों ने तालाब की सफाई का कार्य किया। आंगनवाड़ी केन्द्र क्रमांक 80 त्रिमूर्ति नगर की कार्यकर्ता और सहायिका ने आयुर्वेद से जुड़े चिकित्सकों से पोषण आहार के बारे में जानकारी प्राप्त की। तालाब के सफाई कार्य में महिलाओं की भागीदारी भी सुनिश्चित की जा रही है।

बड़वानी जिले में जन भागीदारी से जल संवर्धन के कार्य किये जा रहे है। जनपद पंचायत पानसेमल के ग्राम राखी बुजुर्ग में विधायक श्री श्याम बर्डे के उपस्थिति में वाटर शेड मिशन में कार्य की शुरूआत की गई। क्षेत्रीय विधायक ने कहा कि पानी के बगैर जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती है। उन्होंने बताया कि राखी बुजुर्ग के निकट सुसरी नदी पर बांध बनाये जाने की स्वीकृति मिली है। जनपद क्षेत्र में जल बचाव और पौध संरक्षण पर बच्चों की चित्रकला और रंगोली प्रतियोगिता हुई। बुरहानपुर में नेपानगर परिषद द्वारा सीतानहानी के पवित्र कुंडों की हुई सफाई बुरहानपुर जिले के नेपानगर परिषद द्वारा ऐतिहासिक सीतानहानी धार्मिक पर्यटन स्थल के पवित्र कुंडों की साफ-सफाई, रंगाई-पुताई की गई। नेवा नगर के सीएमओ ने बताया कि सीतानहानी की अविरल बहने वाली जल धारा से वार्ड क्रमांक 22 में जल प्रदाय किया जाता है। नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती भारती पाटील पार्षदगणों और नागरिकों ने जल संरक्षण की शपथ ली। कार्यक्रम के समापन पर गंगा मैया की आरती की गई। कटनी के रीठी में छात्र-छात्राओं ने रैली निकाल कर जल बचाने का दिया संदेश कटनी जिले के रीठी में जल संवर्धन अभियान में जल स्त्रोतों के साफ-सफाई का अभियान निरंतर जारी है। रीठी में जन अभियान परिषद के सहयोग से छात्र-छात्राओं ने जल जागरूकता के लिये नगर के मुख्य मार्गो से रैली निकाली। इस मौके पर बाजार में नुक्कड नाटक के माध्यम से नदी, तालाब और हेंडपंप के आसपास साफ-सफाई रखने का संदेश जल सामान्य को दिया गया।

जनरल उपेंद्र द्विवेदी 'विंध्य की माटी का गौरव': उप मुख्यमंत्री

पीपुल्स प्रवक्ता, भोपाल।

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने आज अपने भोपाल स्थित निज निवास पर भारतीय थलसेना अध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी एवं उनकी धर्मपत्नी का सपरिवार आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि विंध्य अंचल की धरती से निकलकर भारतीय सेना के सर्वोच्च पद पर पहुंचे जनरल उपेंद्र द्विवेदी 'विंध्य की माटी के गौरव' हैं। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने जनरल उपेंद्र द्विवेदी को देश की सीमाओं की सुरक्षा में उनकी वीरता, नेतृत्व क्षमता एवं अनुकरणीय सेवाओं के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि जनरल द्विवेदी विंध्य क्षेत्र के उन अनमोल रत्नों में से हैं, जिन पर सम्पूर्ण प्रदेश को गर्व है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि जनरल द्विवेदी जैसे व्यक्तित्वों से युवा पीढ़ी को प्रेरणा मिलती है।

मध्यप्रदेश कृषक कल्याण मिशन किसानों के समग्र विकास की दिशा में ऐतिहासिक पहल : सीएम यादव

पीपुल्स प्रवक्ता, भोपाल।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश कृषि आधारित राज्य है और इस क्षेत्र में यहां अपार संभावनाएं हैं। किसानों की आय, कृषि उत्पादन, पशुपालन, मत्स्य पालन में वृद्धि के साथ-साथ खाद्य प्र-संस्करण और कृषि से उत्पादित कच्चे माल पर आधारित औद्योगिक इकाई स्थापित करने जैसे हर संभव प्रयास जारी हैं।

किसानों और गौपालकों की आय बढ़ाने के साथ-साथ कुपोषण दूर करने की दिशा में सरकार योजनाबद्ध तरीके से पूरी ऊर्जा के साथ कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य में दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण योजनाएं तैयार की जा रही हैं। मध्यप्रदेश में वर्तमान दुग्ध उत्पादन 9 प्रतिशत से बढ़ाकर जल्द से जल्द 20 प्रतिशत तक करने के लिए राज्य सरकार ने डॉ. भीमराव अम्बेडकर कामधेनु योजना प्रारंभ की है। इससे हम घर-घर गोकुल तैयार करने की दिशा में आगे बढ़ेंगे।

उन्होंने कहा कि हमने गौशालाओं में दुधारू पशुओं के लिए भी अनुदान राशि बढ़ाने का भी निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बुधवार को मीडिया को जारी संदेश में कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की विकसित भारत ञ2047 के विजन के अनुरूप हमारी सरकार ने गरीब, युवा, अन्नदाता (किसान) और नारी कल्याण के लिए मिशन शुरू कर दिए हैं।

सीधी जिले के कालीन मप्र की शान: मंत्री जायसवाल

पीपुल्स प्रवक्ता, भोपाल।

कुटीर एवं ग्रामोद्योग मंत्री श्री दिलीप जायसवाल ने कहा है कि ÷एक जिला एक उत्पाद÷योजना के अंतर्गत सीधी जिले की दरी और कालीन को खास पहचान मिली है। सीधी जिले के दरी और कालीन मध्यप्रदेश की शान हैं।

मंत्री श्री जायसवाल ने कहा कि स्थानीय कारीगरों की मेहनत को नया बाजार मिलेगा। साथ ही उनकी परंपरा और हुनर को नये मुकाम तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने कहा कि बुनकर मुद्रा योजना के साथ प्रदेश के बुनकरों की तरक्की होगी। योजनांतर्गत, बुनकरों को अब 50 हजार रुपए से लेकर 5 लाख रूपए तक का ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। राज्य और केन्द्र सरकार साझा प्रयास कर बुनकरों को हक और प्रोत्साहन दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। मंत्री श्री जायसवाल ने कहा कि रेशम के धागे से दवाइयाँ और सेरीबैंडेज का निर्माण होगा। ऐसा नवाचार करने के मामले में मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है। उन्होंने कहा कि सतपुड़ा एवं नर्मदा के वनों के ककून से दवाएँ बनाई जाएंगी।

अपर संचालक जनसंपर्क संजय जैन को मिलेगा लोक संपर्क सम्मान

राष्ट्रीय जनसंपर्क दिवस पर पीआरएसआई भोपाल द्वारा 20 अप्रैल को रवीन्द्र भवन में किया जाएगा सम्मानित

24 महिला पत्रकारों को मिलेगा अचला एवं उदिता अवार्ड

पीपुल्स प्रवक्ता, भोपाल।

पब्लिक रिलेशंस सोसायटी ऑफ इंडिया के भोपाल चैप्टर द्वारा रविवार, 20 अप्रैल 2025 को आयोजित किये जाने वाले राष्ट्रीय जनसंपर्क दिवस के कार्यक्रम में जनसंपर्क विभाग के अपर संचालक श्री संजय कुमार जैन को लोक संपर्क सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मान रवीन्द्र भवन भोपाल के गौरांजनी सभागार में प्रातः साढ़े दस बजे से आयोजित होने वाले कार्यक्रम में प्रदान किया जाएगा।

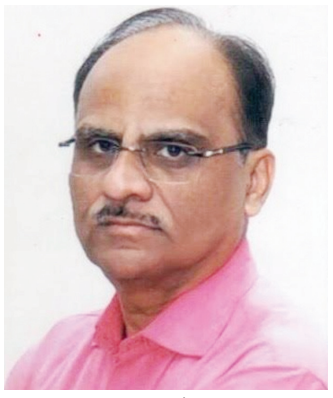

पीआरएसआई भोपाल चैप्टर के अध्यक्ष श्री मनोज द्विवेदी ने बताया है कि राष्ट्रीय जनसंपर्क दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में ''रिस्पॉन्सिबल यूज ऑफ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस- रोल ऑफ पब्लिक रिलेशंस'' विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन किया जाएगा। पीआरएसआई भोपाल चैप्टर द्वारा आयोजित राष्ट्रीय जनसंपर्क दिवस के कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के पत्रकारिता मीडिया, टी.वी. मीडिया और कार्पोरेट मीडिया में कार्यरत महिला पत्रकारों, टी.वी. एंकरों और जनसंपर्क प्रोफेशनल्स को अचला और उदिता सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम में माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय भोपाल के वाइस चांसलर श्री विजय मनोहर तिवारी, वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक विशलेषक श्री गिरिजा शंकर, द टाईम्स ऑफ इंडिया ग्रुप मुंबई की वरिष्ठ फिल्म संपादक श्रीमती रेखा खान, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय नई दिल्ली की एसोसिएट प्रोफेसर डिपार्टमेंट ऑफ मीडिया स्टडीज डॉ. अर्चना कुमारी एवं पब्लिक रिलेशंस सोसायटी ऑफ इंडिया के नेशनल वाइस प्रेसिडेंट श्री एस.पी.सिंह विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

गौरतलब है कि पब्लिक रिलेशन सोसायटी ऑफ इंडिया जनसंपर्क एवं संचार के क्षेत्र में विभिन्न संगठनों में कार्य करने वाले प्रोफेशनल्स की 70 वर्ष पुरानी एक राष्ट्रीय स्तर की संस्था है। इस संस्था के पूरे देश में लगभग 27 चेप्टर कार्यरत हैं। इन्हें मिलेगा अचला-उदिता सम्मान- डॉ. सुधा वर्मा, डॉ. सोनाली नरगुंदे, प्रो. पी. शशिकला, सीमा शिवेन्द्र, स्वाति पाराशर, रेखा खान, डॉ. अल्पना त्रिवेदी गिरि, ज्योति रात्रे, डॉ. दीपिका सक्सेना, अंजलि पाण्डे, पलक दीक्षित, गरिमा श्रीवास्तव, सुप्रिया सिंह, मिली मिश्रा, श्रद्धा सुमन, आकांक्षा पाण्डे, सदब खान, तनुश्री देसाई, पूजा चक्रवर्ती, गरिमा सिंह, करिश्मा कोतवाल, मीना पाटीदार, मेघा जैन एवं ऋचू साहू को सम्मानित किया जाएगा।

खाद्य मंत्री की सख्त हिदायतः उपार्जन कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी

18-19 अप्रैल को भी सभी उपार्जन केन्द्रों पर होगी गेहूं की खरीदः खाद्य मंत्री राजपूत

पीपुल्स प्रवक्ता, भोपाल।

प्रदेश के अन्नदाताओं की सुविधा और हित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए राज्य सरकार ने निर्णय लिया है कि अब सभी उपार्जन केन्द्रों पर आगामी 18 और 19 अप्रैल को सार्वजनिक अवकाश होने के बावजूद गेहूं की खरीदी का कार्य निर्बाध रूप से जारी रहेगा। इसके लिए किसान स्लॉट बुक करा सकते हैं।

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया कि यह निर्णय किसानों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए लिया गया है, ताकि उपार्जन प्रक्रिया में किसी प्रकार का व्यवधान उत्पन्न न हो। किसान इन तिथियों में स्लॉट बुक कर बिना किसी परेशानी के गेहूं विक्रय कर सकेंगे। इसके लिए सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं।

कलेक्टरों को दिए गए निर्देशः खाद्य मंत्री श्री राजपूत ने समस्त जिलों के कलेक्टरों को निर्देशित किया है कि वे अपने-अपने जिलों में उपार्जन केन्द्रों की निरंतर मॉनीटरिंग करें। उपार्जन कार्य से जुड़े कर्मचारियों, अधिकारियों और एजेंसियों को भी सख्त हिदायत दी गई है कि किसानों को कतारों में लंबा इंतजार न करना पड़े, तुलाई, रख-रखाव, भुगतान और परिवहन की सभी व्यवस्थाएँ समय पर और पारदर्शिता से हों।

किसानों को न हो कोई असुविधाः खाद्य मंत्री श्री राजपूत ने कहा कि सरकार किसान हितैषी है। यह सुनिश्चित करना हमारा दायित्व है कि किसानों को अपने उत्पाद बेचने के लिए अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े। इसलिए अवकाश के दिन भी उपार्जन कार्य जारी रखा जाएगा। सभी संबंधित विभागों को आवश्यक संसाधनों और कर्मचारियों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश जारी किए जा चुके हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यदि किसी भी उपार्जन केन्द्र से लापरवाही या अनियमितता की शिकायत प्राप्त होती है तो जिम्मेदार अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध तत्काल कठोर कार्रवाई की जाएगी।

राज्य आनंद संस्थान खुशहाली, आत्म-संतोष और सामूहिक सद्भाव बढ़ाने के लिए प्रयासरत

पीपुल्स प्रवक्ता, भोपाल।

राज्य आनंद संस्थान जीवन में खुशहाली, आत्म-संतोष और सामूहिक सद्भाव को बढ़ावा देने के लिए सतत कार्यरत है। आनंद शिविरों के माध्यम से इस दिशा में सार्थक प्रयास किये जा रहे हैं। आनंद शिविर का आयोजन शासकीय एवं अशासकीय आनंदकों के लिए किया जाता है। इन शिविरों का उद्देश्य प्रतिभागियों को परिपूर्ण जीवन जीने की विधा सिखाना एवं सकारात्मक दृष्टिकोण को विकसित करना है।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी राज्य आनंद संस्थान श्री आशीष कुमार ने बताया कि जीवन में %आनंद% के साथ प्रत्येक कार्य करना चाहिए। विभाग का उद्देश्य आनंद एवं सकुशलता को मापने के पैमानों की पहचान तथा उन्हें परिभाषित करना है। राज्य में आनंद का प्रसार करने की दिशा में विभिन्न विभागों के बीच समन्वय के लिये दिशा-निर्देश तय करने का कार्य भी किया जा रहा है। आनंद की अवधारणा का नियोजन नीति निर्धारण और क्रियान्वयन की प्रक्रिया की मुख्य धारा में लाना, आनंद की अनुभूति के लिये एक्शन प्लॉन एवं गतिविधियों का निर्धारण भी किया जा रहा है।

निरंतर अंतराल पर निर्धारित मापदण्डों पर राज्य के नागरिकों की मनःस्थिति का आंकलन करना, आनंद की स्थिति पर सर्वेक्षण रिपोर्ट तैयार कर प्रकाशित करना, आनंद के प्रसार माध्यमों, उनके आंकलन के मापदण्डों में सुधार के लिये लगातार अनुसंधान करना और आनंद के विषय पर ज्ञान संसाधन केन्द्र के रूप में कार्य करने का कार्य आनंद विभाग द्वारा किया जा रहा है।

अल्पविराम परिचय सत्र आयोजित

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, कटनी में विकासखंड ढीमरखेड़ा के प्रधानाध्यापकों के लिए नेतृत्व क्षमता विकास पर पांच दिवसीय कार्यशाला और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में आनंद विभाग का संक्षिप्त परिचय एवं रोचक गतिविधियों के माध्यम से चिंता का दायरा बनाम प्रभाव का दायरा विषय पर प्रेरक सत्र आयोजित किया गया। सत्र में उपस्थित शिक्षकों ने सक्रिय सहभागिता प्रदर्शित की और चिंतनशील चर्चा में भाग लिया।

आगामी दिनों में भी इस सत्र का आयोजन अन्य प्रशिक्षण कार्यक्रमों में किया जाएगा, ताकि सभी प्रतिभागी इस

गिद्ध संरक्षण की दिशा में अहम पहल

पीपुल्स प्रवक्ता, भोपाल। वन विभाग द्वारा गिद्ध संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गयी है। लुप्तप्राय गिद्ध प्रजातियों को बचाने और उनके संरक्षण के लिये गिद्ध संरक्षण एवं प्रजनन सेंटर केरवा भोपाल के 6 केप्टिव ब्रीडिंग गिद्धों को प्राकृतिक रहवास हलाली डेम के वन क्षेत्र में छोड़ा गया। इनमें 2 सफेद पीठ वाले गिद्ध एवं 4 लम्बी चोंच वाले गिद्धों को मुक्त किया गया। प्रधान मुख्य वन संरक्षक वन्य-जीव श्री शुभरंजन सेन ने बताया कि मुक्त किये गये सभी गिद्धों पर ऑर्निट्रैक-25 सौर ऊर्जा चलित जीपीएस-जीएसएम ट्रैकर लगाये गये हैं।